



एरा यूनिवर्सिटी ने सीसा विषाकता के प्रति बच्चों को किया जागरूक

ब्रिटेन की अल्स्टर यूनिवर्सिटी और इंडियन सोसाइटी फॉर लीड अवेयरनेस एंड रिसर्च का विशेष सहयोग रहा

लखनऊ (ब्यूरो)। बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के लिए सीसा विषाकता के प्रति जागरूकता जरूरी है। इसी उद्देश्य से एरा यूनिवर्सिटी ने ब्रिटेन की अल्स्टर यूनिवर्सिटी और इंडियन सोसाइटी फॉर लीड अवेयरनेस एंड रिसर्च के सहयोग से दुबंगा स्थित झुग्गी पाठशाला में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें वंचित वर्ग के बच्चों को सीसे के संपर्क से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान और इससे बचाव के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत एरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) अब्बास अली महदी के परिचयात्मक व्याख्यान से हुई जिन्होंने बच्चों में

पर्यावरणीय सीसा संपर्क के गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने रोजमर्रा की जिंदगी में सीसे के विभिन्न उपयोगों को समझाया जैसे बैटरी, पेंट, रंग और औद्योगिक उत्पाद। उन्होंने बताया कि सीसे का संपर्क प्रदूषित धूल, मिट्टी, पानी और सही तरीके से न संभाले गए सीसा युक्त पदार्थों के माध्यम से हो सकता है। उन्होंने बताया कि बच्चे विशेष रूप से सीसा के हानिकारक प्रभावों के प्रति संवेदनशील होते हैं क्योंकि उनके मस्तिष्क और तंत्रिकाएं अभी विकसित हो रही होती हैं।

उन्होंने समझाया कि सीसा संपर्क न्यूरोलॉजिकल विकास, बुद्धिमत्ता, सीखने की क्षमता, स्मृति, ध्यान और व्यवहार पर

सीसा का संपर्क बच्चों के मस्तिष्क व तंत्रिका तंत्र के लिए नुकसानदायक : कुलपति

प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। यह एनीमिया, विकास में रुकावट और अन्य अंगों को नुकसान पहुंचाने में भी योगदान कर सकता है। कुलपति ने बच्चों, माता-पिता, शिक्षकों और समुदायों, विशेष रूप से सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लोगों में जागरूकता बनाने के महत्व पर जोर दिया। एरा के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. तबरेज ने बताया कि सीसा शरीर के विभिन्न अंगों को प्रभावित करता

है, इसकी रोकथाम संबंधी उपाय हैं जो सीसा संपर्क को कम करने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने स्वच्छता बनाए रखने, संभावित रूप से संक्रमित सामग्रियों के संपर्क से बचने, खाने से पहले हाथ धोने और बच्चों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। अल्स्टर यूनिवर्सिटी यूनाइटेड किंगडम के स्कूल ऑफ कम्यूनिटी एंड इटेलीजेंस सिस्टम की डॉ. प्रियांका चौरसिया ने बच्चों के साथ बातचीत की और सीसा के संपर्क से बचाव के व्यावहारिक उपायों पर चर्चा की। उन्होंने बच्चों को स्वस्थ आदतें अपनाने और अपने दैनिक परिवेश में पर्यावरणीय खतरों के बारे में जागरूक रहने के लिए प्रोत्साहित

किया। वी हेल्प फाउंडेशन के नावेद अहमद जो झुग्गी पाठशाला के संस्थापक हैं। जो झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले वंचित बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करते हैं और वैंलेंसिया इंटरनेशनल स्कूल के संस्थापक भी हैं, ने सभा को संबोधित किया और जागरूकता अभियान में भाग लिया। डॉ. प्रियांका चौरसिया ने भाग लेने वाले बच्चों में छोटे उपहार और फल वितरित किए। आयोजकों ने यह जोर दिया कि बचपन में सीसे के संपर्क की समस्या एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय स्वास्थ्य चिंता बनी हुई है, क्योंकि भले ही कम स्तर का संपर्क हो लेकिन विकासशील तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर सकता है। बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य के विकास



की सुरक्षा के लिए जागरूकता, पर्यावरणीय बच्चे को सीखने, बढ़ने और अपनी पूरी क्षमता को हासिल करने के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और सीसे से मुक्त वातावरण का अधिकार है।